चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2-10-25	4	6-8

दैनिक भास्कर

बरसीम की बिजाई के साथ सरसों या जई का 10 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ डालें

मिट्टी भुरभुरी होने पर पहले खेत की सिंचाई कर लें किसान

भास्कर न्यूज़ | हिसार

बरसीम की बिजाई अक्टूबर के आरंभ में शुरू कर दें। बरसीम की सिफारिशशुदा किस्मों जैसे मैस्कावी हिसार बरसीम-1 व हिसार बरसीम-2 के बीजों को ही काम में लाएं। खेत को इस प्रकार तैयार करें कि मिट्टी भुरभुरी हो जाए, खरपतवार बिल्कुल न हों व खेत समतल हो।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बिजाई से पहले खेत में पानी भरें। बीज, छिट्टा विधि द्वारा खेत में एकसार डालें। ध्यान रखें कि बिजाई के समय हवा न चलती हो। यदि तेज हवा चल रही हो तो बीज को खेत में छिड़क कर ऊपरी मिट्टी में मिलाकर शीघ्र सिंचाई कर दें। बरसीम की पहली अच्छी कटाई लेने के लिए बरसीम के बीज के साथ 500 ग्राम जापानी सरसों या चीनी सरसों या जई का 10 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ काफी है।

यूरिया और सुपर फास्फेट भी डालें

बरसीम की फसल।

1 एकड़ की बिजाई के लिए लगभग 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बिजाई के समय 22 किलोग्राम यूरिया और 175 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में डालें। यदि उपर्युक्त दोनों उर्वरक उपलब्ध न हों तो प्रति एकड़ 50 किलोग्राम डीएपी बिजाई के समय डाल सकते हैं। अगर यह खेत में पहली बार बीजी जा रही हो तो राइजोबियम का टीका लगाना न भूलें। यदि बरसीम के साथ जई की मिश्रित फसल लेनी है तो 35 कि.ग्रा. अतिरिक्त यूरिया प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई के समय देनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2-10-25	2	1

हकृवि में रामायण दशहरा व डांडिया महोत्सव की धूम

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी आडिटोरियम में रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने मुख्य अतिथि शिरकत की।

संतोष कुमारी ने कहा कि रामायण से हमें त्याग, समर्पण, नैतिकता, सत्यनिष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है। रामायण हमें सिखाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो अंतत जीत सच्चाई की होती है। भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	2-10-25	6	6-8

हकृवि में रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन

हिसार, 1 अक्तूबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार।

संतोष कुमारी ने कहा कि रामायण से हमें त्याग, समर्पण, नैतिकता, सत्यनिष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है। रामायण हमें सिखाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो अंतत जीत सच्चाई की होती है। उन्होंने कहा कि रामायण से नैतिकता और सदाचार, धैर्य और सहनशीलता, भक्ति और प्रेम के साथ-साथ अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करने के बारे में भी जानकारी मिलती है। भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। उनके जीवन से हमें अनेक आदर्श मिलते हैं जो आज भी समाज और व्यक्तिगत जीवन को दिशा प्रदान करते हैं। कैंपस स्कूल की निदेशिका ने बताया कि भगवान श्री राम के आदर्श में सत्य निष्ठा, पितृ भक्त और आज्ञा पालन, धर्म पालन, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श राजा के साथ-साथ करुणा और उदारता के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी जनों का स्वागत किया। धन्यवाद सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा ने किया। डॉ. संध्या शर्मा, डॉ. देवेन्द्र, डॉ. रश्मि, डॉ. जितेश, डॉ. सुभाष, पूनम व रिक्की ने भी कार्यक्रम में अपनी भूमिका निभाई। मंच का संचालन रूचि और नीकिता ने किया।

रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव में विद्यार्थियों ने किया शानदार मंचन : उपरोक्त कार्यक्रम में सभी कलाकारों ने रामायण के सभी पात्रों का सजीव चित्रण किया। विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों एवं कैंपस स्कूल के छात्र एवं छात्राओं ने रामायण के किरदारों का शानदार मंचन करके दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, रावण, कुम्भकरण, मेघनाथ आदि के किरदारों ने पारंपरिक वेशभूषा में शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2-10-25	4	7-8

हकृवि में रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार

हिसार, 1 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम मे रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमती संतोष कुमारी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। संतोष कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि रामायण से हमें त्याग, समर्पण, नैतिकता, सत्य निष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है। रामायण हमें सिखाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो अंतत जीत सच्चाई की होती है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलो का भी दहन किया गया। मंच संचालन रूचि और नीकिता ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	2-10.25	8	7-8

हकृवि इस माह होंगे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिसार (हप्र) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) स्थित सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अक्तूबर मास के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में समय-समय पर विभिन्न विषयों से संबंधित प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 3 से 9 अक्तूबर तक मधुमक्खी पालन, 13 से 17 अक्तूबर तक डेयरी फार्मिंग, 15 से 17 अक्तूबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक, 27 से 29 अक्तूबर तक बेकरी और 29 से 31 अक्तूबर तक संरक्षित खेती पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इस प्रशिक्षण में देश/ प्रदेश से किसी भी शैक्षणिक स्तर, आयु और वर्ग की इच्छुक महिला या पुरुष उम्मीदवार भाग ले सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2-10-25	4	8

हकृवि के सायना नेहवाल प्रशिक्षण संस्थान में होंगे प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अक्टूबर माह के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि 3 से 9 अक्टूबर तक मधुमक्खी पालन, 13 से 17 अक्टूबर तक डेयरी फार्मिंग, 15 से 17 अक्टूबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक, 27 से 29 अक्टूबर तक बेकरी और 29 से 31 अक्टूबर तक संरक्षित खेती पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इस प्रशिक्षण में देश से किसी भी शैक्षणिक स्तर, आयु और वर्ग की इच्छुक महिला या पुरुष उम्मीदवार भाग ले सकते हैं। यह प्रशिक्षण बिल्कुल निःशुल्क है। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय की तरफ से प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण के इच्छुक युवक और युवतियां पंजीकरण के लिए संस्थान में प्रशिक्षण शुरू होने वाले दिन ही सुबह 9:00 बजे पहुंच कर अपना पंजीकरण करवा कर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	2-10.25	11	6-8

स्वरोजगार के लिए विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण करवाएगा संस्थान

■ संस्थान के सह निदेशक ने दिया अक्टूबर के प्रशिक्षणों का ब्यौरा

हरिभूमि न्यूज »» हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अक्तूबर मास के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। ये प्रशिक्षण शिविर स्वरोजगार की दिशा में अहम साबित हो सकते हैं।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में समय-समय पर विभिन्न विषयों से संबंधित प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 3 से 9 अक्तूबर तक मधुमक्खी पालन, 13 से 17 अक्तूबर तक डेयरी फार्मिंग, 15 से 17 अक्तूबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक, 27 से 29 अक्तूबर तक बेकरी और 29 से 31 अक्तूबर तक संरक्षित खेती पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इसमें किसी भी शैक्षणिक स्तर, आयु और वर्ग की इच्छुक महिला या पुरुष उम्मीदवार भाग ले सकते हैं।

डॉ. अशोक गोदारा।

यह प्रशिक्षण बिल्कुल निशुल्क है। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय की तरफ से प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण के इच्छुक युवक और युवतियां पंजीकरण के लिए संस्थान में प्रशिक्षण शुरू होने वाले दिन ही पहुंच कर पंजीकरण करवा कर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2.10.25	4	1-4

रबी की 19 सिफारिश स्वीकृत, नई किस्मों से रोग पर प्रहार

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। कार्यशाला में कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों ने रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा की और महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। हकृवि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला में अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। उन्होंने कहा कि अधिकारी एवं वैज्ञानिक अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी एवं क्षेत्र विशिष्ट किस्मों का विकास करना सुनिश्चित करें।

हकृवि में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी • जागरण

ये सिफारिशें स्वीकृत

• **पूसा बासमती 1718** : यह धान की एक अर्ध-बौनी बासमती किस्म है जो लगभग 120 सेमी लंबी होती है। इसकी बीज से बीज तक पकने की अवधि 140 दिन है। यह पारंपरिक बासमती किस्मों की तरह सुगंधित होती है। औसत धान उपज 18-20 क्विंटल प्रति एकड़ है।

• **कोटा उड़द-6** : यह मध्यम पकाव वाली (76 दिन) भूरे रंग के दानों वाली किस्म है। यह किस्म क्रिंकल विषाणु रोग व श्यामवर्ण रोग की प्रतिरोधी एवं मोजेक, सर्कोस्पोरा धब्बा, पर्ण कुंचन विषाणु व चूर्णिल आसिता रोगों के प्रति माध्यम प्रतिरोधी है। इसमें एफिड, फलिघुन कीट व फली मक्खी का प्रकोप काम होता है।

• ज्वार चारा की फसल पर जस्ता व लौह तत्व की कमी के लक्षण प्रकट होने पर सिफारिश किए गए खाद के साथ 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट व 0.5 प्रतिशत फैरस सल्फेट का 2 प्रतिशत यूरिया के साथ फसल पर 15 दिन के अन्तर पर दो छिड़काव करें।

• ग्वार की उत्पादकता बढ़ाने के लिए, पानी में घुलनशील उर्वरक एनपीके 19-19-19 का एक प्रतिशत की दर से या पोटेशियम नाइट्रेट 0.5 प्रतिशत की दर से फूल आने और फली बनने की अवस्था में छिड़काव करना लाभदायक होता है। धान में पत्ता लपेट सुंडी के प्रबंधन के लिए, रोपाई के 30 दिन से शुरू करके 10 दिनों के अंतराल पर ट्राइकोग्रामा कीलोनिस से परजीवीकृत 40,000-50,000 अंडे/एकड़ की दर से चार बार छोड़ें।

• धान में पीला तना छेदक सुंडी की रोकथाम के लिए आइसोसाईक्लोसीरम 20 प्रतिशत डब्ल्यू/वी एस सी (इन्सिपिओ) 120 मिलीलीटर 200 लीटर पानी में प्रति एकड़ की दर से रोपाई के 20 व 35 दिन पर छिड़काव करें। कपास की फसल में हरा तेला की रोकथाम के लिए आइसोसायक्लोसेरम (सिमोडिस 9.2 प्रतिशत डीसी) की 80 मिली लीटर मात्रा (20 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 175-200 लीटर पानी में मिलाकर आर्थिक कगार आने पर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

• नरमा की फसल में थ्रिप्स या चूरड़ा की रोकथाम के लिए आइसोसायक्लोसेरम (सिमोडिस 9.2 डीसी) की 240 मिली लीटर मात्रा (60 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 175-200 लीटर पानी में मिलाकर आर्थिक कगार (10-12 थ्रिप्स प्रति पत्ता) आने पर प्रति एकड़ करें। यह छिड़काव थ्रिप्स के साथ पाए जाने वाले हरा तेला/जैसिड के प्रति भी प्रभावी है।

• गेहूं में मिश्रित खरपतवारों के नियंत्रण के लिए बिजाई के तुरंत बाद उचित नमी में 800 मि ली प्रति एकड़ अक्लोनिफेन 36.89 प्रतिशत डाइफ्लूफेनीकन 6.15 प्रतिशत पाइरोक्ससल्फोन 4.10 प्रतिशत (रेडी मिक्सचर) का 200 लीटर पानी प्रति एकड़ में छिड़काव करें।

• देर से बोई गई गेहूं की अच्छी पैदावार के लिए पोटेशियम नाइट्रेट के दो छिड़काव बालियां निकलते समय और दाना भरने की अवस्था में करने चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	01.10.2025	--	--

रामायण से हमें त्याग, समर्पण, नैतिकता और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है : संतोष

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वाविद्यालय मे रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। संतोष कुमारी ने कहा कि रामायण से हमें त्याग, समर्पण, नैतिकता, सत्य निष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है। रामायण हमें सिखाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो अंतत जीत सच्चाई की होती है। उन्होंने कहा कि रामायण से नैतिकता और सदाचार, धैर्य और सहनशीलता, भक्ति और प्रेम के साथ-साथ अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करने के बारे में भी जानकारी मिलती है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलो का भी दहन किया गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, रावण, कुम्भकरण, मेघनाथ आदि के किरदारों ने सभी का मन मोह लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	01.10.2025	--	--

रामायण से हमें त्याग, समर्पण, और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है : संतोष कुमारी

नभ-छोर न्यूज ⏭ 01 अक्टूबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। संतोष कुमारी ने कहा कि रामायण से हमें त्याग, समर्पण, नैतिकता, सत्यनिष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है। रामायण हमें सिखाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो अंतत जीत सच्चाई की होती है। उन्होंने कहा कि रामायण से नैतिकता और सदाचार, धैर्य और सहनशीलता, भक्ति और प्रेम के साथ-साथ अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करने के बारे में भी जानकारी मिलती है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एस के पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी जनों का स्वागत किया। धन्यवाद सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा ने किया। डॉ. संध्या शर्मा, डॉ. देवेन्द्र, डॉ. रश्मि, डॉ. जितेश, डॉ. सुभाष, पूनम व निक्की ने भी कार्यक्रम में अपनी भूमिका निभाई। मंच का संचालन रूचि और नीकिता ने किया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, रावण, कुम्भकर्ण, मेघनाथ आदि के किरदारों ने पारंपरिक वेशभूषा में शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	01.10.2025	--	--

हकृवि में रामायण, दशहरा महोत्सव का आयोजन

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में रामायण, दशहरा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की निदेशिका श्रीमती संतोष कुमारी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। संतोष कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि रामायण से हमें त्याग, समर्पण, नैतिकता, सत्यनिष्ठ और धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है। रामायण हमें सिखाती है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो अंतत जीत सच्चाई की होती है।

उन्होंने कहा कि रामायण से नैतिकता और सदाचार, धैर्य और सहनशीलता, भक्ति और प्रेम के साथ-साथ अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करने के बारे में भी जानकारी मिलती है। भगवान श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। उनके जीवन से हमें अनेक आदर्श मिलते हैं जो

आज भी समाज और व्यक्तिगत जीवन को दिशा प्रदान करते हैं। कैंपस स्कूल की निदेशिका ने बताया कि भगवान श्री राम के आदर्श में सत्य निष्ठ, पितृ भक्त और आज्ञा पालन, धर्म पालन, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श राजा के साथ-साथ करुणा और उदारता के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी जनों का स्वागत किया। धन्यवाद सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा ने किया। डॉ. संध्या शर्मा, डॉ. देवेन्द्र, डॉ. रश्मि, डॉ. जितेश, डॉ. सुभाष, पूनम व निक्की ने भी कार्यक्रम में अपनी भूमिका निभाई। मंच का संचालन रूचि और नीकिता ने किया। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी कलाकारों ने रामायण के सभी पात्रों का सजीव चित्रण किया। विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों एवं कैंपस स्कूल के छात्र एवं छात्राओं ने रामायण के किरदारों का शानदार मंचन करके दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, रावण, कुम्भकरण, मेघनाथ आदि के किरदारों ने पारंपरिक वेशभूषा में शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।